हिंदी फिल्मों में होली के अमर गीत

–नवल किशोर शर्मा

'बद्रीनाथ की दुल्हनिया'

होली उमंग, उल्लास, रंग और गीत–संगीत का मिला–जुला त्योहार है। लोक और पौराणिक कथाओं के ताने–बाने से बुना इसका स्वरूप अति प्राचीन होते हुए भी नूतन परम्पराओं को ग्रहण करता रहा है। होली का यह पर्व भारतीयों के जन–मानस में इतने गहरे पैठ बनाए हुए है कि इससे जुड़े लोक और शास्त्रीय गीतों की संगीत में पृथक से एक परम्परा बन चुकी है। लोक की तरह सिनेमा में भी होली गीत शुरुआत से ही प्रयुक्त होते रहे हैं। फिल्मी होली गीत आज समाज में इतने लोकप्रिय हो चुके हैं कि इस त्यौहार की आहट के साथ ही इनका श्रवण रस लिया जाना आरम्भ हो जाता है। बसंत के साथ ही फाल्गुन भी दस्तक देने को आतुर रहता है तो होली के गीत भी अपने पुरानेपन के बावजूद पूरे शबाब पर नजर आते हैं। हर बार वे पहले से अधिक जवां दिखाई देते हैं।

'जॉली एलएलबी 2'